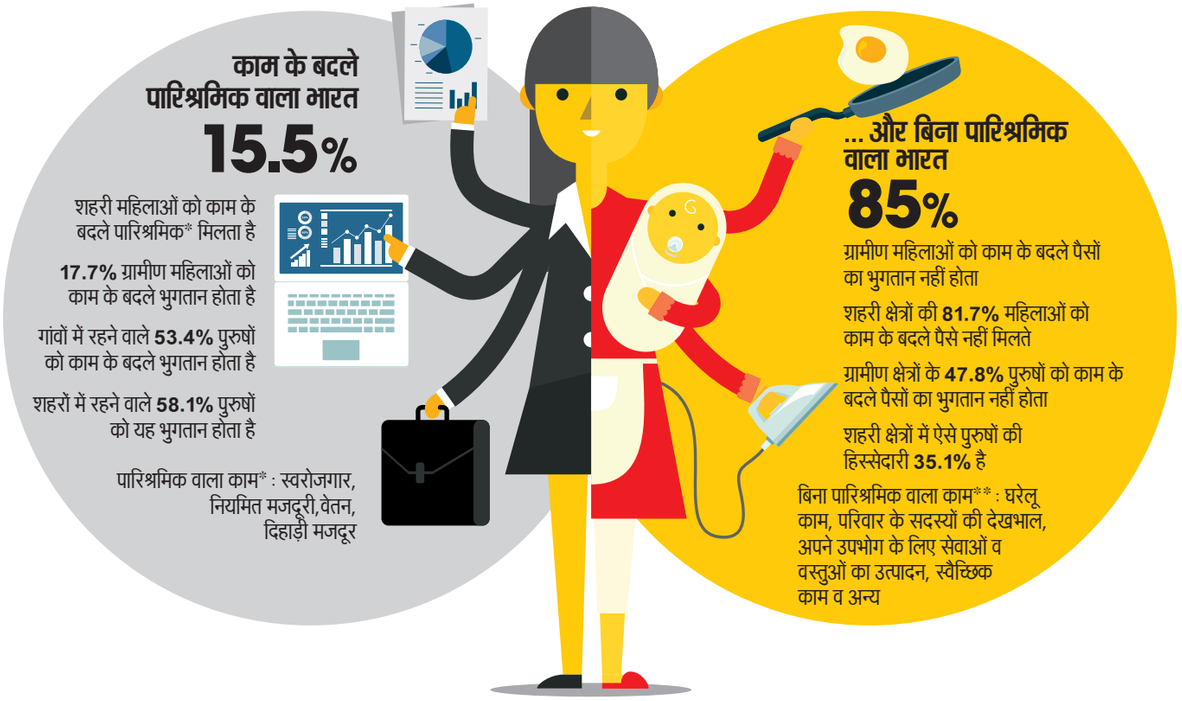

एक परिवार, दो दुनिया

भारत में पहली बार हुआ टाइम यूज सर्वेक्षण बताता है कि महिलाओं की मेहनत को अनदेखा किया जा रहा है। ग्रामीण महिलाएं सबसे अधिक काम करती हैं। वे प्रतिदिन **6 घंटे 13 मिनट** भुगतान और बिना भुगतान वाले काम करती हैं। वहीं दूसरी तरफ शहरी महिलाएं प्रतिदिन **5 घंटे 33 मिनट** काम करती हैं। शहरी क्षेत्रों में पुरुष प्रतिदिन **5 घंटे 21 मिनट** काम करते हैं जबकि ग्रामीण पुरुष प्रतिदिन **5 घंटे 9 मिनट** काम करते हैं। **कुल 85 प्रतिशत** महिलाएं किसी ने किसी काम में लगी हैं, जबकि ऐसे **पुरुष 73 प्रतिशत हैं**

खर्च होने वाला समय	संपूर्ण भारत		शहरी		ग्रामीण	
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
बिना भुगतान वाली गतिविधियां	1 घंटे 7 मिनट 4.7%	5 घंटे 5 मिनट 21.2%	39 मिनट 2.7%	4 घंटे 36 मिनट 19.2%	1 घंटे 20 मिनट 5.6%	5 घंटे 17 मिनट 22%
भुगतान वाली गतिविधियां	4 घंटे 16.7%	56 मिनट 3.9%	4 घंटे 42 मिनट 19.6%	57 मिनट 4%	3 घंटे 42 मिनट 15.4%	56 मिनट 3.8%
शेष गतिविधियां#	18 घंटे 53 मिनट 78.7%	17 घंटे 59 मिनट 74.9%	18 घंटे 39 मिनट 77.7%	18 घंटे 27 मिनट 76.9%	18 घंटे 59 मिनट 79.1%	17 घंटे 47 मिनट 74.1%

भारतीय महिलाएं गैर पारिश्रमिक गतिविधियों में प्रतिदिन 5 घंटे से अधिक व्यय करती हैं। इनमें मुख्य रूप से घरेलू काम, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल शामिल है

#इन गतिविधियों में सोना, खाना-पीना, नहाना-धोना व साफ-सफाई व अन्य गतिविधियां जैसे पढ़ना, मिलना-जुलना, संचार, सामुदायिक सहयोग, धार्मिक गतिविधियां, सांस्कृतिक गतिविधियां, मनोरंजन, मास मीडिया और खेलकूद शामिल है। यह सर्वेक्षण जनवरी और दिसंबर 2019 के बीच किया गया। इसमें 1,38,799 घरों को शामिल किया गया

घरेलू काम महिलाओं के कंधे पर

औसतन **80 प्रतिशत महिलाएं** घरेलू काम# करती हैं, जबकि ऐसा करने वाले पुरुष केवल **25 प्रतिशत** हैं।
हरियाणा व अन्य छह राज्यों में **20 प्रतिशत से कम पुरुष** घर के काम में हाथ बंटाते हैं

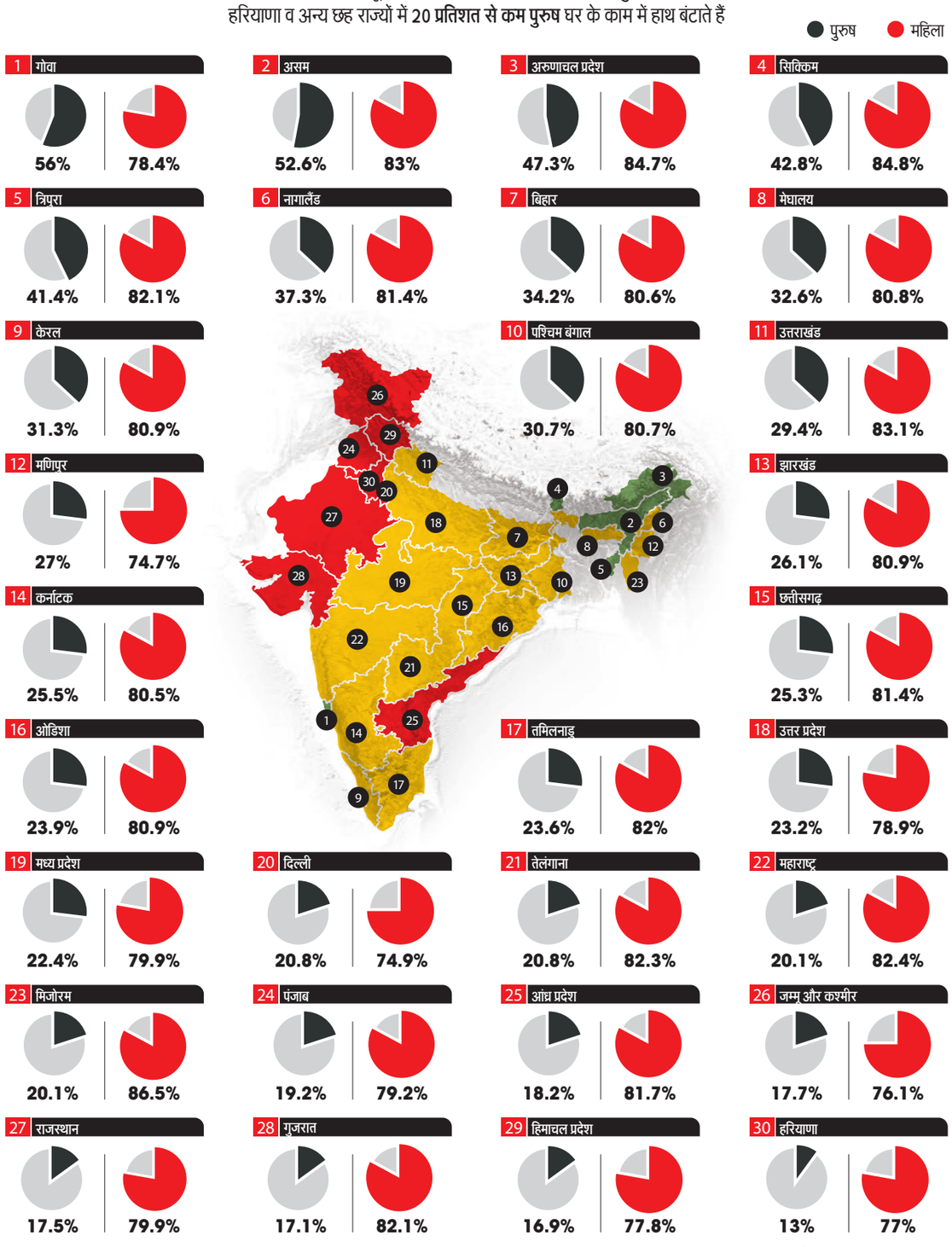

विश्लेषण : किरण पांडेय और रजित सेनगुप्ता ; ग्राफिक : संजीत कुमार ; स्रोत : टाइम यूज सर्वेक्षण, सांख्यकीय एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ; #घरेलू काम गैर पारिश्रमिक गतिविधि है